हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शनिवार, 22 फरवरी 2025

11 स्वर्ण पदक विजेता मुस्कान श्योराण का किया...

12 निर्माण सामग्री की गुणवत्ता में कोताही की तो ठेकेदार ...

खबर संक्षेप

आईटीआई में रोजगार मेला 24 फरवरी को

भिवानी। राजकीय आईटीआई में 24 फरवरी को प्रात 10.00 बजे रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में फीटर, इलेक्ट्रीशियन, टर्नर, वेल्डर, मशीनिस्ट, वायरमैन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, आरएसी, ट्रेक्टर मैकेनिक, टीपीईएस, शीट मेटल, फाउंड्रीमैन, एमएमवी ट्रेड से पास लडक़े व लड़कियां जिसने आईटीआई पास की हो वे भाग ले सकते हैं। प्रधानाचार्य बलबीर सिंह ने बताया कि उपायुक्त महावीर कौशिक के मार्गदर्शन इस रोजगार मेले में श्रीकृष्णा फोरजिंग प्रा.लि. रोहतक व एशियन ऑटोमोटिव हरियाणा प्रा.लि. रोहतक के अधिकारी द्वारा विद्यार्थियों का प्लेसमेंट के लिए चयन किया जाएगा।

चौधरी बंसीलाल अस्पताल में रक्तदान शिविर 25 को

भिवानी। प्रत्येक व्यक्ति को समाजसेवा में अपना हरसंभव सहयोग देना चाहिए, रक्तदान जीवन का सबसे बड़ा पुण्य है, क्योंकि दान के रूप में दी गई रक्त की चन्द बूदें किसी जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान करती हैं। रक्तदान महादान होता है, रक्त की महत्ता वहीं व्यक्ति समझ सकता है, जिसका कोई अपना रक्त की कमी से तड़फा हो, इसलिए रक्त की कमी से किसी व्यक्ति को अपनी जान न गवानी पड़े। इसके लिए अनेक सामाजिक संस्थाएं रक्तदान शिविर लगाती हैं। यह जानकारी देते हुए आयोजक रक्तवीर मनीष वर्मा ने बताया कि 25 फरवरी को चौधरी बंसीलाल अस्पताल के ब्लड बैंक में वंशिका फाउंडेशन ने भिवानी में रक्तदान शिविर आयोजित किया।

अवकाश के दिनों में खुला रहेगा बोर्ड कार्यालय

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की सैकेण्डरी/सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक व मुक्त विद्यालय) की वार्षिक परीक्षाएं 27 फरवरी, 2025 से आरम्भ हो रही हैं। सभी पात्र परीक्षार्थियों के अनुक्रमांक 18 फरवरी, 2025 से बोर्ड की वेबसाइट पर जारी कर दिए गए हैं। बोर्ड सचिव अजय चोपड़ाने बताया कि जिन परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र के विवरणों में शुद्धि करवाई जानी है तथा जिन विद्यालयों/परीक्षार्थियों के अनुक्रमांक किसी कारणवश रोके गये हैं, ऐसे परीक्षार्थी/विद्यालय मुखिया 22, 23 व 26 फरवरी, 2025 को अवकाश के दिनों में भी बोर्ड कार्यालय में सम्बन्धित शाखाओं में मूल रिकार्ड व सत्यापित प्रति सहित उपस्थित होकर निर्धारित शुल्क जमा करवाते हुए विवरणों में शुद्धि करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त सूचित किया जाता है कि परीक्षाएं आरम्भ होने उपरान्त फोटो व हस्ताक्षर सम्बन्धी शुद्धियां नहीं की जाएंगी। इन दिनों में बोर्ड कार्यालय की सैकेण्डरी/सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक व मुक्त विद्यालय) शाखाएं प्रातः 10:00 बजे से सांय 04:00 बजे तक खुली रहेंगी। ऐसे परीक्षार्थी एवं विद्यालय सम्बन्धित दस्तावेज लेकर बोर्ड कार्यालय में व्यक्तिगत तौर पर आ सकते हैं।

आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर ने किया रोष प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम 19 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा

- आंगनवाड़ी वर्कर को 50 प्रतिशत प्रमोशन से पदोन्नति देने की घोषणा को लागू करने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

भिवानी। शहर में विरोध प्रदर्शन करती आंगनवाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा बाल विकास एवं आंगनबाड़ी वूमेन वर्कर्स हेल्पर यूनियन सम्बन्धित भारतीय मजदूर संघ ने शुक्रवार को हाथी पार्क में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। इसके उपरांत यूनियन के प्रतिनिधियों ने उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम 19 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। धरने की अध्यक्षता जिला प्रधान राजवंती फोगाट ने की, जबकि हरियाणा बाल विकास एवं आंगनबाड़ी वूमेन वर्कर यूनियन की प्रदेश अध्यक्ष छोटा गहलावत ने धरने को संबोधित किया।

धरने के दौरान मेला, सुशीला गोपी, सुशीला, सुनील, पूजा, सुनीता, नीलम, सीमा, गीता, संतरा, जगवती, संतोष, राजवंती, चांदकौर सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने अपने विचार रखे। उन्होंने लिखित ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि आंगनवाड़ी वर्कर को 50 प्रतिशत प्रमोशन से पदोन्नति का लाभ दिया जाए, जिसकी सरकार ने 2021 में भी घोषणा की थी और अगस्त 2025 में भी 50 प्रतिशत की घोषणा को रिपीट किया, लेकिन आज तक प्रमोशन की कोई पॉलिसी नहीं बनाई गई। आईसीडीएस विभाग जैसी पॉलिसी के तहत सभी आंगनवाड़ी वर्कर को सुपरवाइजर बिना शर्त के प्रमोशन किया जाए। दूसरी मांग में उन्होंने मिनी आंगनवाड़ी केंद्र में आंगनवाड़ी हेल्पर की सुविधा देने, सितंबर 2018 में प्रधानमंत्री द्वारा दिवाली के तोहफे के नाम पर आंगनवाड़ी वर्कर के लिए 1500 रुपये और हेल्पर के लिए 750 रुपये की घोषणा की थी जो आज तक नहीं मिली है। घोषणा लागू की जाए और 2018 से अब तक का एरियर बनाया जाए, गुजरात हाईकोर्ट के फैसले अनुसार आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए, आंगनवाड़ी वर्कर व हेल्पर के मानदेय के अनुपात में जो फर्क है उसे ठीक किया जाए। धरने के बाद यूनियन के कार्यकर्ताओं ने हाथी पार्क से डीसी कार्यालय तक रोष मार्च निकाला और नारेबाजी कर डीसी कार्यालय में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। यूनियन ने चेतावनी दी कि उनकी मांगे जल्द पूरी नहीं हुई तो वे आंदोलन को तेज करने के लिए मजबूर होंगी।

ये रही मांगें

आंगनवाड़ी वर्कर्स के पद खाली है, पहले समायोजन करने, प्ले स्कूल में काम करने वाली वकर्रों की मदद के लिए एक वर्कर एक्स्ट्रा देने, हेल्पर की खाली पदों पर भर्ती करने, आंगनवाड़ी वर्कर हेल्पर को ग्रेच्युटी अधिनियम 1972 के अनुसार ग्रेच्युटी का लाभ देने, समायोजन प्रक्रिया को जारी रख वर्कर व हेल्पर को अपने घर के नजदीक समायोजन करने, समय पर राशन की पूरी सप्लाई देने, एक्सपायरी डेट नजदीक होने पर सप्लाई न डालने, एडिशनल चार्ज वाली वर्कर का पैसा बढ़ाने, अगस्त 2024 में मुख्यमंत्री द्वारा एक फ्लेक्सी फंड की घोषणा का नोटिफिकेशन जारी करने, आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर का ड्रेस का पैसा समय पर देने, नेट रिचार्ज व नेट का पैसा बढ़ाने व सिलेंडर भरवाने का पैसा सीडीपीओ कार्यालय द्वारा देने व मिनी आंगनवाड़ी में हेल्पर की भर्ती करने की मांग उठाई।

भिवानी। नई भर्ती की मांग को लेकर विरोध जताते बीमा कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

बीमाकर्मियों ने सांकेतिक हड़ताल कर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

- ऑल इंडिया इंश्योरेंस इम्पलाइज के आह्वान पर नई भर्ती की मांग

ऑल इंडिया इंश्योरेंस इम्पलाइज के आह्वान पर नई भर्ती की मांग को लेकर देशभर के बीमा कर्मचारियों ने एक घंटे की सांकेतिक हड़ताल करके प्रदर्शन किया। इसी कड़ी में चरखी दादरी एलआईसी शाखा के कर्मियों ने इसका पूर्ण समर्थन कर अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। दादरी शाखा प्रधान अमित सांगवान व सचिव अनिल गोठडा के नेतृत्व में साथियों ने मांगों को लेकर रोष का इजहार कर नारेबाजी की। सभी ने कार्यालय परिसर के बाहर हुए हड़ताल में भागेदारी की, नारेबाजी कर प्रदर्शन किया तथा धरना दिया।

प्रदर्शनकारी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए यूनियन दादरी प्रधान अमित सांगवान एवं साथी सेक्रेटरी अनिल गोठड़ा ने कहा कि वर्ष 2019 के बाद से संस्था में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी में कोई भर्ती नहीं हुई है। पिछले छह सालों से लगातार कर्मी नियमित भर्ती की आवाज बुलंद कर रहे है, लेकिन उच्च अधिकारी व एलआईसी इसे गंभीरता से नहीं ले रहे। कर्मचारियों की नई भर्त्ती नहीं होने के कारण वर्कलोड का दबाव लगातार बढ़ रहा है और कर्मियों की संख्या कम होती जा रही है। प्रधान अमित सांगवान ने कहा कि नई भर्ती से युवाओं को रोजगार का मौका मिलेगा और संस्था को युवा कर्मचारियों की आवश्यकता है।

प्रदर्शन में मनबीर, बलवान, अमित महला, कविता कुमारी आदि कर्मचारी शामिल हुए।

दो लाख की ठगी करने का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- क्रेडिट कार्ड की वेरिफिकेशन के नाम पर की थी ठगी

थाना साइबर क्राइम पुलिस के द्वारा जिले में आम जनता से ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर ऐसे आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है जो इसी क्रम में थाना साइबर क्राइम पुलिस ने क्रेडिट कार्ड की वेरिफिकेशन करवाने के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

अंकुर निवासी भिवानी ने थाना साईबर पुलिस को एक शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उनके मोबाइल पर एक कॉल आई थी जो कॉल करने वाले ने खुद को बजाज फाइनेंस लिमिटेड कंपनी का कर्मचारी बतलाया था और उनके आइसीआइसीआइ बैंक के क्रेडिट कार्ड की वेरिफिकेशन करने के नाम पर कार्ड की जानकारी प्राप्त करके ऑनलाइन 2,00,000 की धोखाधड़ी की थी जो इस शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना साइबर क्राइम भिवानी में दर्ज किया था। थाना साइबर क्राइम भिवानी के सहायक उप निरीक्षक प्रदीप कुमार ने क्रेडिट कार्ड वेरिफिकेशन के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में अभियोग में तीसरे आरोपी को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान तालिब पुत्र कलीम निवासी माहोली जिला सीतापुर उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है।

93 मिनट में 44 किमी. सफर तय कर रही दिल्ली-हिसार ट्रेन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- नई दिल्ली-हिसार पैसेंजर ट्रेन के रद्द होने से दैनिक यात्रियों को हो रही परेशानी: गोस्वाम
- सिरसा एक्सप्रेस भिवानी-रोहतक-दिल्ली रूट की सबसे महत्वपूर्ण ट्रेन थी

रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति बीकानेर के सदस्य हरीश गोस्वामी ने बताया कि नई दिल्ली-हिसार पैसेंजर ट्रेन नंबर 54423/24 को पहले 22 फरवरी 2025 तक रद्द किया गया था अब उसे बढ़ाकर 27 फरवरी 2025 तक रद्द कर दिया गया है। इसका कारण यह बताया गया है कि इस ट्रेन के डिब्बों को महाकुंभ के लिए चलने वाली स्पेशल ट्रेनों को दे दिया गया है। इससे हर रोज हजारों दैनिक यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है।

इससे यह पता चलता है कि रेलवे की नजर में यह एक गैर जरूरी या कम जरूरी ट्रेन थी, जिसकी वजह से इसके साथ समझौता किया गया है।

93 मिनट में तय होता है भिवानी-रोहतक का सफर

उन्होंने कहा कि एक समय था जब इस समय चलने वाली सिरसा एक्सप्रेस भिवानी रोहतक दिल्ली रूट की सबसे महत्वपूर्ण ट्रेन थी और एक समय अब आ गया है कि यह ट्रेन बिल्कुल ही गैर जरूरी होती जा रही है पहले सिरसा एक्सप्रेस भिवानी से सुबह 7 बजे चलती थी उसके बाद उसका समय सुबह 6:50 किया गया इसके बाद सिरसा एक्सप्रेस की जगह है हिसार दिल्ली पैसेंजर चलाई गई और इसका समय घटाकर पहले 6:40 फिर 6:30 किया गया इतने में भी बात नहीं बनी तो इस ट्रेन को भिवानी जंक्शन की जगह भिवानी सिटी से चलाया गया उम्मीद थी कि भिवानी सिटी से चलने पर लोगों के समय की बचत होगी पर इसका उल्टा हुआ दूरी कम होने के बाद भी ट्रेन का समय 6:30 की जगह 6:15 कर दिया गया गौर करने वाली बात है कि यह ट्रेन लगभग दिल्ली उसी समय पहुंच रही है जिस समय यह सुबह 6:50 या 7 चलकर पहुंच जाती थी। अभी यह ट्रेन भिवानी सिटी से सुबह 6:15 चलती है और रोहतक 7:48 पर पहुंच जाती है भिवानी सिटी से रोहतक तक के 44 किलोमीटर की दूरी को तय करने में यह ट्रेन 93 मिनट ले रही है इसकी औसत गति लगभग 28 किलोमीटर प्रति घंटा है। जबकि यह 44 किलोमीटर की दूरी अधिकतम 45 से 50 मिनट में पूरी हो जानी चाहिए लेकिन रेलवे अधिकारियों की उदासीनता की वजह से यह ट्रेन गैर जरूरी हो गई। अब रेलवे अधिकारियों ने इसकी ट्रेन की गति लगभग एक ई-रिक्शा के बराबर कर दी है। ध्यान रहे कि इस बीच भिवानी रोहतक रूट की इलेक्ट्रिफिकेशन भी हो चुकी है जिससे ट्रेन की गति बढ़ानी चाहिए थी लेकिन हुआ इसका उल्टा।

बिजली चोरी पकड़ने गई टीम पर हमला, कर्मियों को बनाया बंधक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

- चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज, पुलिस जांच में जुटी
- बिजली निगम की टीम बिजली निगम की

ढिगावा में बिजली चोरी की जांच करने गई बिजली निगम की टीम पर हमला करने, गाली-गलौच, मारपीट करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने टीम के सदस्यों को बंधक बना लिया और जान से मारने की धमकी दी।

इस संबंध में एसडीओ नारायण प्रकाश ने पुलिस थाना बहल में शिकायत दर्ज करवाई, जिसके आधार पर चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। ढिगावा बिजली दफ्तर से एसडीओ नारायण प्रकाश के निर्देश पर अकबर जेई, रोहित जेई, सुनील एफएम, सत्यपाल एफएम, प्रदीप एफएम की टीम बिजली चोरी की जांच के लिए निकली थी। टीम ने सलेमपुर गांव में वकील पुत्र चेतराम के घर और विनोद व ओमप्रकाश की दुकानों पर बिजली चोरी पकड़ी। आरोप है कि जांच के दौरान चेतराम के चारों बेटे ओमप्रकाश, रामा, वकील और रुपेंद्र ने टीम के साथ गाली-गलौच, हाथापाई, मारपीट की और आधे घंटे तक बंधक बनाए रखा। टीम के एक सदस्य ने पुलिस हेल्पलाइन 112 पर कॉल किया, लेकिन आरोपियों ने पुलिस के सामने भी अपना आक्रामक रवैया जारी रखा।

आरोप है कि टीम सदस्यों को झूठे केस में फंसाने और नौकरी छुडवाने तक की धमकी दी गई। इस घटना को लेकर पुलिस ने एसडीओ की शिकायत पर नामजद चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भिवानी। अवैध कॉलोनी में निर्माण को ढहाती जेसीबी। फोटो : हरिभूमि

बापोड़ा में अवैध कॉलोनी में बने निर्माण को तोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- ऑल हरित वर्जित पट्टी में अवैध निर्माण न करें नागरिक: डीसी
- लगभग 2.5 एकड़ में फैली है अवैध कॉलोनी
- प्रोपर्टी डीलरों के बहकावे में न आएं : उपायुक्त

उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा कि नागरिक हरित वर्जित पट्टी में अवैध निर्माण न करें। अवैध निर्माण करना गैर कानूनी कार्य है और इसकी अनुमति किसी को नहीं है। जिला में अवैध निर्माण हटाने के लिए विशेष अभियान का चलाया जा रहा है। उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि नगर योजनाकार विभाग द्वारा अवैध निर्माण की जानकारी जुटाई जा रही है और इसको हटाने काअभियान जारी रहेगा। इसी कड़ी में नगर योजनाकार विभाग ने मौजा बापोड़ा में लगभग 2.5 एकड़ में फैली अवैध कॉलोनी से जेसीबी मशीन द्वारा छह अवैध निर्माण व डिमार्केशन को तोड़ा गया। इस दौरान जिला नगर योजनाकार द्वारा लोगों को समझाया गया कि आम जन अवैध कॉलोनियों में प्रोपर्टी डीलरों के बहकावे में न आयें व अवैध कालोनियों में प्लॉट न खरीदे तथा शहरी क्षेत्र, नियंत्रित क्षेत्र एवं अनुसूचित सड़कों की हरित पट्टी में किसी भी तरह का निमार्ण कार्य न करें तथा वैद्य निर्माण करने से पूर्व विभागीय अनुमति लेना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने नागरिकों का आह्वान किया है कि वे जिला में कहीं भी सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण न करें। उपायुक्त ने नागरिकों से आह्वान किया वे कोई भी पॉपर्टी खरीदने से पहले अच्छी तरह से पड़ताल कर लें।

बवानीखेड़ा व लोहारू नगरपालिका चुनावी प्रचार ने पकड़ी रफ्तार

निकाय चुनाव: 'साइलेंट वोटर' होंगे नैय्या के 'खेवनहार'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- अधिकांश समर्थक अपने प्रत्याशी या नेता के साथ प्रचार प्रसार में लगे है

बवानीखेड़ा व लोहारू नपा के चेयरमैन व पार्षदों के चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने व सिम्बल अलॉट होने के बाद प्रचार में तेजी आ गई है। जिन लोगों का जिस उम्मीदवार के साथ जुड़ना था। वे उनके साथ जुड़ भी गए और चुनावी प्रचार में जुट गए। पूरे दिन उम्मीदवारों के साथ समर्थकों का पूरा रेला चल रहा है। दोनों कस्बों में जिस तरफ नजर दौड़ाई जाए।

उसी तरफ लोगों का हुजूम नजर आ रहा है। बवानीखेड़ा में अल सुबह ही उम्मीदवार अपने अपने वार्डो के लिए निकल रहे है। यही स्थिति चेयरमैन के उम्मीदवारों की है। वे भी पौ फटते ही घर छोड़कर फिल्ड में उतर रहे है। वे अकेले नहीं बल्कि उनके साथ पूरा टोला चल रहा है। शायद ऐसा कोई भी उम्मीदवार नहीं होगा। जिसके साथ 20-30 लोगों का साथ न हो। फिलहाल यह अनुमान लगाना बहुत जल्दबाजी होगा कि कौन जीतेगा और किसी पॉजीशन पतली रहेगी,लेकिन फिलहाल हर उम्मीदवार समर्थकों के साथ अपनी जीत पक्की मानकर चल रहे है। यही स्थिति लोहारू की बनी है। यहां पर भी इसी तरह का नजारा देखने को मिल रहा है।

आए दिन चुनावी प्रचार में तेजी आ रही है। उल्लेखनीय है कि दो मार्च को बवानीखेड़ा व लोहारू नगरपालिका के पाषदों व चेयरमैन पद के लिए मतदान होगा।

जो जिसका समर्थक है तो अपने नेता के पक्ष में चुनाव प्रचार में जुट गया है। अधिकांश समर्थक अपने प्रत्याशी या नेता के साथ प्रचार प्रसार में लगे है,लेकिन जो लोग किसी के पक्ष में नहीं बोल रहे और चुनाव को लेकर चुप्पी साधे है। उन लोगों पर चुनावी हार व जीत का दारोमदार है। क्योंकि जिस तरफ साइलेंट वोटरों का झुकाव हो गया। वहीं उम्मीदवार मजबूत हो जाएगा। खैर वह बात दिगर है कि चुनावी रण में ऊंट किस करवट बैठेगा,लेकिन माना जा रहा है कि साइलेंट वोटर ही हार व जीत के निर्णायक होंगे। फिलहाल सभी प्रत्याशियों की नजर साइलेंट वोटरों पर टिकी है।

हर किसी की जुबान पर चुनावी लफ्ज: जिस तरफ भी नजर दौड़ाई जाए। उसी दिशा में बैठे लोग केवल नपा चुनाव पर ही चर्चा करते नजर आ रहे है। लोगों के पास भी उम्मीदवार एक के बाद दूसरा प्रत्याशी वोट मांगने के लिए पहुंच रहा है। ऐसे में दुकानों पर बैठे लोगों में भी चुनावी चर्चा खास बनी हुई है। हरेक दुकान पर वार्ड का चुनाव लड़ने वाले के अलावा चेयरपर्सन का चुनाव लड़ने वाले अधिकत्तर उम्मीदवार पहुंच रहे है और वे अपने अपने पक्ष में मतदान करने की गुजारिश कर रहे है।

कंप्यूटर कोर्स से जुड़े हैं करियर के अनेक विकल्प

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

आज के समय में भारत में सरकारी नौकरी करना हर दूसरे युवा का सपना होता है, लेकिन सरकारी नौकरी के लिए कठिन परिश्रम के साथ-साथ स्कील का भी होना बहुत जरूरी है। बता देते हैं कि वर्तमान समय में सरकारी नौकरियों में कंपटीशन काफी ज्यादा बढ़ गया है। इसीलिए आज के समय में अगर आप सरकारी नौकरी के बारे में सोच रहे हैं तो यह बिल्कुल भी आसान नहीं है, इसके लिए आपको काफी लंबे समय तक कठिन परिश्रम करना होगा। अगर आप कंप्यूटर कोर्स करते हैं, तो आपको सरकारी नौकरी में प्रायरिटी मिल जाती है क्योंकि वर्तमान समय में सरकारी नौकरियों में भी कंप्यूटर कोर्स को शामिल कर दिया गया है।

इसलिए जरूरी

वर्तमान समय में अलग-अलग विभागों में अनेक सारे ऐसे पर देखने को मिल जाते हैं। जहां पर कंप्यूटर कोर्स वाले आवेदक ही आवेदन कर सकते हैं क्योंकि उन पदों पर केवल कंप्यूटर का ज्ञान प्राप्त कर चुके लोगों की ही आवश्यकता होती है। वर्तमान समय में सरकारी नौकरियों के तहत कंप्यूटर कोर्स की सबसे ज्यादा डिमांड जिन कोर्स की होती हैं। उन कोर्स की सूची इस प्रकार है

- कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट
- मैकेनिक कंप्यूटर हार्डवेयर
- डेस्कटॉप पब्लिशिंग ऑपरेटर
- एडवांस्ड डिप्लोमा इन सॉफ्टवेयर टेक्नोलोजी
- एडवांस्ड डिप्लोमा इन कंप्यूटर हार्डवेयर एंड नेटवर्किंग
- कंप्यूटर हार्डवेयर एंड नेटवर्किंग
- डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लिकेशन
- एडवांस्ड डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लिकेशन
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लिकेशन
- बैचलर इन कंप्यूटर एप्लिकेशन
- मास्टर इन कंप्यूटर एप्लिकेशन
- बैचलर ऑफ साइंस (कंप्यूटर साइंस/ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी)
- बैचलर ऑफ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी
- मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (सिस्टम/ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी)
- ग्रेजुएट इन इंजीनियरिंग (कंप्यूटर साइंस/ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी)

टॉप कोर्स

पांच ऐसे कंप्यूटर कोर्स है, जिसकी सरकारी नौकरी के लिए सबसे ज्यादा डिमांड देखने को मिल जाती है। यह उस सूची में टॉप 5 कंप्यूटर कोर्स है जिसे आप करते हैं, तो आपको अच्छा वेतन मिलता है और बेहतरीन पद भी मिलता है। तो सरकारी नौकरी के लिए मांगे जाने वाले टॉप 5 कंप्यूटर कोर्स इस प्रकार है।

एडीसीए कंप्यूटर कोर्स : अगर आप एक कंप्यूटर कोर्स करके सरकारी नौकरी पाना चाहते हैं तो यह कंप्यूटर कोर्स आपके लिए बेहतरीन साबित हो सकता है क्योंकि इस कंप्यूटर कोर्स के अंतर्गत आपको कंप्यूटर एप्लीकेशन में एडवांस डिप्लोमा कोर्स का सर्टिफिकेट दिया जाता है। इस कोर्स को करने के बाद आपको कंप्यूटर का एडवांस नॉलेज हो जाता है और आप सरकारी नौकरी के तहत अच्छा वेतन प्राप्त कर सकते हैं। बता देते हैं कि इस पोस्ट को 12वीं कक्षा पास करने के बाद भी कर सकते हैं। लेकिन यह कोर्स कंप्यूटर में रुचि रखने वालों के लिए ही उपयुक्त है विशेष रुप से कंप्यूटर कोर्स को विज्ञान के छात्र ही करते हैं।

सीसीसी कंप्यूटर कोर्स : इस कोर्स को आप 12वीं कक्षा पास करने के बाद भी कर सकते हैं। अगर आप 12वीं कक्षा पास करने के बाद इस कोर्स को करते हैं, तो भी आप की सरकारी नौकरी लग सकती है। 12वीं कक्षा पास करने के बाद आपको किसी डिग्री या डिप्लोमा कोर्स की आवश्यकता नहीं है। यह कोर्स 3 महीने की अवधि का है। इस कोर्स को आप नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी द्वारा कर सकते हैं। इस कोर्स में आपको कंप्यूटर का महत्वपूर्ण ज्ञान प्रदान किया जाता है जिसमें कंप्यूटर की मूल बातें कंप्यूटर की प्रेजेंटेशन पैकेज के बारे में बताया जाता है। कंप्यूटर डिजिटल फाइनेंस के बारे में जाता है वर्ड प्रोसेसिंग और स्प्रेडशीट पैकेज के बारे में बताया जाता है।

डीसीए कोर्स : अगर आप दसवीं अथवा 12वीं कक्षा पास करने के बाद सरकारी नौकरी करने का सपना देखते हैं। तो ऐसा तो काफी मुश्किल है क्योंकि आज के समय में विभिन्न प्रकार की डिग्री और डिप्लोमा कोर्स करने के बाद भी लोगों को सरकारी नौकरी नहीं मिलती है। लेकिन अगर आप दसवीं कक्षा पास करने के बाद 6 महीने का यह कंप्यूटर कोर्स करते हैं। तो आपके सरकारी नौकरी लग सकती है बता देते हैं कि सरकारी नौकरी के लिए जिन 5 कंप्यूटर कोर्स की सबसे ज्यादा डिमांड देखने को मिलती है उसमें डीसीए कोर्स भी शामिल है। इस कोर्स में इंटरनेट एप्लीकेशन के बारे में बताया जाता है ऑपरेटिंग सिस्टम के बारे में बताया जाता है इसके अलावा माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस की सभी सर्विस का ज्ञान दिया जाता है।

ओ लेवल कंप्यूटर कोर्स : कंप्यूटर कोर्स से सरकारी नौकरी प्राप्त करने की सूची में यह कंप्यूटर कोर्स भी शामिल है। इस कंप्यूटर कोर्स को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी द्वारा छात्रों के लिए प्रदान करवाया जाता है। इस कोर्स में कंप्यूटर से जुड़ी विभिन्न प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। आपकी जानकारी के लिए बता देते हैं कि यह कंप्यूटर कोर्स 1 साल का है। अगर आप इस 1 साल के कंप्यूटर कोर्स को करते हैं। तो आपको विभिन्न प्रकार के सरकारी नौकरियों के अवसर देखने को मिल जाते हैं क्योंकि यह आज के समय में सरकारी नौकरियों के तहत डिमांड वाला कोर्स है जिसके लिए सबसे ज्यादा सरकारी नौकरियों की मांग होती है।

पीजीडीसीए कोर्स : यह एक कंप्यूटर एप्लीकेशन में पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा कोर्स है यह कोर्स ग्रेजुएशन करने वाले विद्यार्थियों के लिए है।तो अगर आप दसवीं और बारहवीं कक्षा पास करने के बाद ग्रेजुएशन कर चुके हैं और कंप्यूटर कोर्स करके सरकारी नौकरी प्राप्त करना चाहते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए सबसे बेहतरीन साबित होने वाला है। बता देते हैं कि इस कोर्स को पूरा करने के बाद आप सरकारी नौकरी के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के प्राइवेट सेक्टर में भी काम कर सकते हैं और सरकारी नौकरी से भी ज्यादा वेतन प्राइवेट सेक्टर में पार्ट टाइम काम करके भी प्राप्त कर सकते हैं या अपना खुद का एक ऑनलाइन काम भी शुरू कर सकते हैं। पीजीडीसीए कोर्स के तहत आपको सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग सिखाया जाता है कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सिखाई जाती है और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिखाया जाता है।

दुनिया में आज लगभग हर काम कंप्यूटर आधारित, नौकरियां भी भरपूर

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर की आज खासी डिमांड, कोर्स कर बनाएं करियर

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

हार्डवेयर इंजीनियर की डिमांड आज के समय में काफी ज्यादा देखने को मिलती है क्योंकि आज का समय कंप्यूटर का जमाना कहा जाता है। आज के समय में पूरी दुनिया डिजिटलाइजेशन की तरह आगे बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक देश में प्रत्येक चैप्टर और सब जगह कंप्यूटर का इस्तेमाल हो रहा है क्योंकि कंप्यूटर एक ऐसी मशीन है जो विभिन्न प्रकार के तकनीकी से बनी हुई है और विभिन्न प्रकार के कार्य को आसानी से संपन्न कर देती है। ऐसी स्थिति में कंप्यूटर की डिमांड दुनिया भर में हर दिन तेजी से बढ़ रही है और आज के समय में लगभग प्रत्येक कार्य कंप्यूटर की मदद से किया जाता है। कंप्यूटर विभिन्न भागों से मिलकर बनता है, जिनमें 2 मुख्य भाग होते हैं। हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर सॉफ्टवेयर मुख्य रूप से कंप्यूटर का मस्तिष्क माना जाता है जो कंप्यूटर के अंतर्गत एक एप्लीकेशन के रूप में कार्य करता है, जबकि हार्डवेयर कंप्यूटर के बाहरी हिस्सों के रूप में हमें दिखाई देता है जो विभिन्न प्रकार के महत्वपूर्ण शक्तियों के रूप में कंप्यूटर को दिशा निर्देश देता है और कंप्यूटर से कार्य करवाता है वह हार्डवेयर कहलाता है। आपने देखा होगा कि कंप्यूटर में कीबोर्ड, हार्ड डिस्क, मॉनिटर, सीपीयू इत्यादि विभिन्न प्रकार के भाग होते हैं यह सभी कंप्यूटर के हार्डवेयर कहलाते हैं। जिस तरह से कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का निर्माण सॉफ्टवेयर डेवलपर करता है। ठीक उसी प्रकार कंप्यूटर के हार्डवेयर का निर्माण भी हार्डवेयर डेवलपर करता है। अगर आप अभी हार्डवेयर डेवलपर बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको निर्धारित किया गया कोर्स करना होगा, जिसके बाद ही आप हार्डवेयर डेवलपर बन सकते हैं।

आजकल युवाओं की यहीं पहली पसंद

क्या है हार्डवेयर इंजीनियरिंग

हार्डवेयर इंजीनियर कंप्यूटर विषय के अंतर्गत कंप्यूटर साइंस का एक महत्वपूर्ण भाग है। इसके अंतर्गत कंप्यूटर के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के हार्डवेयर का निर्माण करना होता है तथा उस हार्डवेयर के सेक्टर में नए-नए आविष्कार और नए-नए कार्य करने के लिए हार्डवेयर डेवलपर बनते हैं। कंप्यूटर के लिए हार्डवेयर सॉफ्टवेयर की भांति एक महत्वपूर्ण अंग माना जाता है, जो कंप्यूटर को आदेश या डिमांड प्रदान करता है। हार्डवेयर इंजीनियर एक महत्वपूर्ण कोर्स और पद माना जाता है। आज के समय में अधिकांश युवाओं द्वारा कंप्यूटर साइंस के अंतर्गत हार्डवेयर इंजीनियर बनाने की उत्सुकता देखी जा रही है। अगर आप अभी पहले से ही कंप्यूटर साइंस के अंतर्गत हार्डवेयर डेवलपर बनना चाहते हैं, तो सबसे पहले आपको 12वीं कक्षा पास करनी होगी। उसके बाद कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियरिंग के तहत 3 वर्ष का ग्रेजुएशन कोर्स और 2 वर्ष का पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स करना होगा। उसके बाद 1 वर्ष का डिप्लोमा कोर्स भी करना होता है। आज के समय में इस क्षेत्र में काफी करिए इसको देखा जाता है।

हार्डवेयर इंजीनियर बनें

हार्डवेयर डेवलपर बनने के लिए आपको कंप्यूटर और टेक्नोलॉजी के विषय में अच्छी समझ और रुचि होनी चाहिए तभी आप इस क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं और कुछ महत्वपूर्ण कार्य कर सकते हैं। हार्डवेयर डेवलपर बनाने के लिए सबसे पहले आपको 12वीं कक्षा पास करनी है। किसी भी मान्यता प्राप्त शिक्षण बोर्ड से 12वीं कक्षा पास कर सकते हैं। उसके बाद आपको कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियरिंग के तहत डिप्लोमा या डिग्री कोर्स करना होगा। इस कोर्स को पूरा करने के बाद इंटरशिप करें। इंटरशिप की सहायता से आपको करियर ग्रोथ तथा अनुभव के बारे में जानकारी मिलेगी, जो काफी महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए। इंटरशिप के बाद आपको इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए मास्टर डिग्री जरूर करनी चाहिए, क्योंकि इस डिग्री के बाद आपकी सैलरी में बढ़ोतरी होती है और अच्छा पैकेज या अच्छी सैलरी मिलती है। इसके अलावा बड़ी-बड़ी कंपनियों में अच्छे पदों पर नौकरी मिलती है। ऐसे लिए आमतौर पर हार्डवेयर डेवलपर बनने के लिए मास्टर डिग्री भी की जाती है।

कोर्स

कंप्यूटर साइंस के अंतर्गत हार्डवेयर डेवलपर बनने के लिए विभिन्न प्रकार के कोर्स निर्धारित किए गए हैं, जिनके अनुसार आप किसी भी कोर्स का चयन करके आगे बढ़ सकते हैं। हार्डवेयर डेवलपर बनने के लिए निर्धारित किए गए कोर्स में से कुछ प्रमुख कोर्स इस प्रकार हैं।

- कंप्यूटर माइक्रो प्रोसेसिंग कोर्स
- डिप्लोमा इन कंप्यूटर सीएएलसी
- मास्टर ऑफ साइंस इन हार्डवेयर एंड नेटवर्किंग
- हार्डवेयर नेटवर्किंग कोर्स
- हार्डवेयर डिप्लोमा कोर्स
- कंप्यूटर हार्डवेयर स्ट्रक्चर
- कंप्यूटर सीएएलसी कोर्स

करियर स्कोप

अगर आपने कंप्यूटर साइंस के अंतर्गत हार्डवेयर डेवलपर का कोर्स कर लिया है तो अब आपको करियर स्कोप के तहत बिल्कुल भी चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि आज के समय में आपको विभिन्न प्रकार के नेटवर्क और तकनीकी से जुड़ी मल्टीनैशनल कंपनियों में और विभिन्न प्रकार के उद्योग में करियर स्कोप देखने को मिल जाता है जिनके नाम इस प्रकार हैं।

- आईटी एडमिनिस्ट्रेटर
- टेक्निकल सपोर्ट इंजीनियर
- हेल्प डेस्क इंजीनियर
- कंप्यूटर टेक्निशियन
- सिस्टम इंजीनियर
- कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर
- सिस्टम इंजीनियर
- कंप्यूटर एडमिनिस्ट्रेटर
- कंप्यूटर आईटी टेक्निशियन

शिक्षण संस्थान

हार्डवेयर इंजीनियर कोर्स आज के समय में काफी महत्वपूर्ण कोर्स बन चुका है। इसलिए आज के समय में भारत के विभिन्न शिक्षण संस्थान और कॉलेजों द्वारा इस कोर्स को करवाया जाता है। आप भी अपने राज्य के अंतर्गत नजदीकी शिक्षण संस्थान से हार्डवेयर डेवलेपर का कोर्स कर सकते हैं। भारत के कुछ प्रमुख हार्डवेयर डेवलपर बनने के कोर्स कराने वाले शिक्षण संस्थानों के नाम इस प्रकार हैं।

- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी,त्रिची
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बैंगलोर
- इंद्रप्रस्थ इंस्टिट्यूट ऑफ़ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, दिल्ली
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, हैदराबाद
- वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर
- इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, हैदराबाद
- एलएनएम इंस्टीट्यूट आफ इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी, जयपुर
- बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, बॉम्बे

योग्यता

- हार्डवेयर डेवलपर बनने के लिए आपको सबसे पहले 12वीं कक्षा पास करनी होगी।
- 12वीं के बाद बैचलर की डिग्री प्राप्त करनी होती है।
- भारत के किसी भी शिक्षण संस्थान से बिटसैट, केसैट, वैबजी इन सभी प्रवेश परीक्षाओं के आधार पर ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।
- हार्डवेयर डेवलेपर बनने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि आपकी रुचि कंप्यूटर साइंस और तकनीकी के क्षेत्र में होनी चाहिए और संबंधित कुछ अनुभव भी होना चाहिए।
- हार्डवेयर डेवलेपर बनने के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री है हेतू यूनिवर्सिटी द्वारा निर्धारित किया गया न्यूनतम अंक प्राप्त करना होगा।
- कुछ यूनिवर्सिटी द्वारा मास्टर प्रोग्राम के तहत प्रवेश परीक्षा आयोजित करवाई जाती है।
- कुछ यूनिवर्सिटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर स्कोर या अंक की मांग करती हैं।

आवेदन प्रक्रिया

- आप जिस भी यूनिवर्सिटी से हार्डवेयर डेवलपर कोर्स करना चाहते हैं उस यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट पर पहुंचे।
- ऑफिशियल वेबसाइट पर अपने मोबाइल नंबर या ईमेल की मदद से अपना अकाउंट बनाएं तथा यूजरनेम और पासवर्ड प्राप्त करें।
- यूजरनेम और पासवर्ड की मदद से यूनिवर्सिटी की ऑफिशल वेबसाइट पर लॉगिन करें।
- अब आपको यूनिवर्सिटी की ऑफिशल वेबसाइट पर होम पेज पर ही विभिन्न प्रकार के कोर्स दिखाई देंगे, उनमें से अपने पास का चयन करें।
- कोर्स का चयन करने के बाद आपको आवेदन फॉर्म दिखाई देगा।
- आवेदन फार्म को सही और महत्वपूर्ण जानकारी के अनुसार भरें।
- आवेदन फार्म के साथ संबंधित दस्तावेजों को भी अपलोड करें।
- आवेदन फार्म के अंतर्गत आवेदन फीस ऑनलाइन भुगतान करें और अपना आवेदन सबमिट कर दें।
- निर्धारित तारीख को प्रवेश परीक्षा दे और सर्वाधिक अंक हासिल करें।
- मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त होने पर आवेदन स्वीकार कर लिया जाएगा।
- आप कोर्स करके हार्डवेयर डेवलपर बन सकते हैं।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना देश के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

भारत में राज्यों की राजनीति का शिक्षा प्रणाली पर गहरा और व्यापक प्रभाव पड़ता है। चूंकि शिक्षा संविधान के तहत एक समवर्ती विषय है, इसलिए केंद्र और राज्य सरकारें दोनों इसके लिए नीतियां बनाती हैं। हालांकि, शिक्षा का अधिकांश दायित्व राज्य सरकारों के पास होता है, जिसके कारण राज्यों की राजनीतिक प्राथमिकताएं, नीतियां और एजेंडे शिक्षा प्रणाली को सीधे प्रभावित करते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ राज्य जैसे केरल और तमिलनाडु ने शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया है, जिसके कारण इन राज्यों में साक्षरता दर और शैक्षणिक गुणवत्ता राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। वहीं दूसरी ओर, कुछ राज्यों में शिक्षा को कम प्राथमिकता दी जाती है, जिससे वहां के स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी और शिक्षा का निम्न स्तर देखने को मिलता है।

पारदर्शिता की आवश्यकता

राजनीतिक एजेंडे के तहत पाठ्यक्रम में बदलाव, भाषा के मुद्दे, और शिक्षकों की नियुक्ति में राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे कारक शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच को प्रभावित करते हैं। इसके अलावा, राज्य सरकारों की वित्तीय स्थिति और बजट आवंटन भी शिक्षा के स्तर को निर्धारित करते हैं। धनी राज्य शिक्षा पर अधिक खर्च करते हैं, जबकि गरीब राज्यों में शिक्षा का बजट कम होता है, जिससे राज्यों के बीच शिक्षा के स्तर में असमानता बढ़ती है। इस प्रकार, राज्यों की राजनीति भारत की शिक्षा प्रणाली की वर्तमान स्थिति को निर्धारित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, और यह स्पष्ट है कि शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और पारदर्शिता की आवश्यकता है। भारत में शिक्षा प्रणाली को सुधारने के लिए यह आवश्यक है कि राज्यों की राजनीति गरीब परिवारों की शिक्षा पर विशेष ध्यान केंद्रित करे और सरकारी स्कूलों को एक बेहतर ढांचा प्रदान करे। गरीब परिवारों के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना न केवल सामाजिक न्याय का मुद्दा है, बल्कि यह देश के समग्र विकास के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी, शिक्षकों की कमी, और पाठ्यक्रम की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता है। राज्य सरकारों को चाहिए कि वे शिक्षा के लिए पर्याप्त बजट आवंटित करें, शिक्षकों की योग्यता और प्रशिक्षण पर ध्यान दें, और स्कूलों में आधुनिक शिक्षण सामग्री और तकनीक का उपयोग सुनिश्चित करें। इसके अलावा, गरीब परिवारों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा, छात्रवृत्ति, और पोषण योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यदि राज्यों की राजनीति गरीब परिवारों की शिक्षा को प्राथमिकता देती है और सरकारी स्कूलों को मजबूत बनाती है, तो भारत की शिक्षा प्रणाली में एक बड़ा सुधार संभव है।

अपने विचारों को मूर्त रूप दें

राजनीतिक प्राथमिकताओं का प्रभाव : राज्य सरकारों की राजनीतिक प्राथमिकताएं शिक्षा के क्षेत्र में निवेश और नीतियों को निर्धारित करती हैं। कुछ राज्यों में, शिक्षा को विकास का मुख्य आधार माना जाता है, जबकि अन्य राज्यों में यह राजनीतिक एजेंडे में पीछे रह जाता है। उदाहरण के लिए, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया है, जिसके कारण इन राज्यों में साक्षरता दर और शैक्षिक गुणवत्ता राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। वहीं दूसरी ओर, कुछ राज्यों में शिक्षा के बजट को कम कर दिया जाता है, जिससे शिक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है।

शिक्षा का राजनीतिकरण : भारत में शिक्षा का राजनीतिकरण एक गंभीर समस्या है। राज्य सरकारें अक्सर शिक्षा पाठ्यक्रम को अपने राजनीतिक एजेंडे के अनुसार बदल देती हैं। इतिहास, सामाजिक विज्ञान और साहित्य जैसे विषयों में परिवर्तन करके राज्य सरकारें अपने विचारधारा को बढ़ावा देती हैं। इससे छात्रों को एक संकीर्ण और पक्षपातपूर्ण दृष्टिकोण मिलता है, जो उनके समग्र विकास को प्रभावित करता है।

शिक्षकों की नियुक्ति और भ्रष्टाचार : राज्यों में शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया अक्सर राजनीतिक हस्तक्षेप का शिकार होती है। योग्यता के बजाय राजनीतिक संबंधों के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति की जाती है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार भी एक बड़ी समस्या है, जिसके कारण स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी हो जाती है।

भाषा और संस्कृति का मुद्दा : राज्यों की राजनीति में भाषा और संस्कृति का मुद्दा हमेशा से प्रमुख रहा है। कई राज्य सरकारें अपनी क्षेत्रीय भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा प्रणाली का उपयोग करती हैं। हालांकि यह स्थानीय संस्कृति को संरक्षित करने में मददगार हो सकता है, लेकिन इससे राष्ट्रीय एकता और समान शिक्षा प्रणाली के लक्ष्य को नुकसान पहुंचता है।

सामान्य ज्ञान

1. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए
(ए) स्थायि
(बी) स्थायी
(सी) स्थाई
(डी) स्थाइ

2. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए
(ए) जलदी
(बी) जल्दी
(सी) ज्लदी
(डी) जल्डी

3. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए
(ए) प्राक्कथन
(बी) प्रक्कथन
(सी) प्राकथन
(डी) प्रकाथन

4. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए
(ए) क्षेत्र
(बी) छेत्र
(सी) क्षत्र
(डी) स्वेत्र

5. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए
(ए) रसायनिक
(बी) रासायनिक
(सी) रासीनीक
(डी) रसयनिक

6. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए
(ए) प्रतिवादी
(बी) प्रतीवादी
(सी) प्रतीवाडी
(डी) प्रतिवादि

7. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए
(ए) उतसव
(बी) उत्सव
(सी) उस्तव
(डी) ऊत्स्व

8. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए
(ए) जेष्ठ
(बी) ज्येस्ट
(सी) जेठ
(डी) ज्येष्ठ

9. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए
(ए) अन्तध्यान
(बी) अन्तर्धान
(सी) अन्तरध्यान
(डी) अन्त : ध्यान

10. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए
(ए) अधम्म
(बी) अधम
(सी) अधर्म
(डी) अधिम

उत्तर 1.(बी) 2.(बी) 3.(ए) 4.(ए) 5.(बी) 6.(ए) 7.(बी) 8.(डी) 9.(बी) 10.(सी)

खबर संक्षेप

शिविर में समस्याओं का किया जा रहा निदान

भिवानी। उपायुक्त महावीर कौशिक ने लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों को सुना। उन्होंने अधिकारियों को शिविर में रखी गई शिकायतों का त्वरित निपटारा करने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन का हर संभव प्रयास रहता है कि समाधान शिविर में प्राप्त हो रही प्रत्येक शिकायत का मौके पर ही समाधान किया जाए।

93 लाभ पात्रों को दी जाएगी सहायता राशि

भिवानी। एडीसी डॉ. मुनीष नागपाल की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित एडीसी कार्यालय में दीन दयाल उपाध्याय परिवार सुरक्षा बारे समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में एडीसी ने बताया कि इस योजना के तहत 93 लाभपात्रों के खातों में राशि शीघ्र डाल दी जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लाभ पात्रों के खातों की केवाईसी करवाएं ताकि योजना की राशि का लाभ मिल सके।

समीक्षा बैठक में दिए जरूरी निर्देश

भिवानी। एडीसी डॉ. मुनीष नागपाल ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका मुख्य उद्देश्य देश के कारीगरों और शिल्पकारों को सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत 18 व्यवसायों के कारीगरों और शिल्पकारों को अपने हाथों और औजारों से काम करने के लिए सहायता प्रदान की जाती है।

बारहवीं पास छात्रों के लिए इग्नू में अपार संभावनाएं

चरखी दादरी। इग्नू ऑनलाइन लर्निंग और ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग के लिए भारत की सबसे प्रसिद्ध व प्रख्यात केंद्रीय विश्वविद्यालय है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में एडमिशन के लिए साल में दो बार फार्म भरे जाते हैं। पहला जनवरी सेशन के लिए और दूसरा जुलाई सेशन के फार्म भरे जाते हैं। इग्नू के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जो लोग कौशल आधारित और ज्ञान आधारित शिक्षा लेना चाहते है।

कारगर हैं मातृशक्ति उद्यमिता योजनाः डीसी

चरखी दादरी। प्रदेश सरकार महिलाओं को सशक्त, स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, जिनके माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सहायता से लेकर स्वरोजगार स्थापित करने में सहायता प्रदान की जाती है। हरियाणा सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना शुरू की है।

नागरिकता रद करने के फैसले का किया स्वागत

भिवानी। बीते दिनों पंजाब के अमृतसर में संविधान जलाने वाले व्यक्ति को न्यायालय ने देशद्रोही घोषित कर उसकी भारतीय नागरिकता रद करने के फैसला का प्रदेश चमार संघर्ष समिति ने स्वागत किया है। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा निर्मित देश का संविधान प्रत्येक व्यक्ति को समानता का अधिकार देता है।

राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

स्वर्ण पदक विजेता मुस्कान श्योराण का किया अभिनंदन, निकाला विजय जुलूस

शारीरिक चुनौतियों को पीछे छोड़ मुस्कान बनीं युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोतः कोच मदन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली विद्या नगर की मुस्कान श्योराण, मुस्कान श्योराण व उनके कोच मदन का स्वागत करते खेलप्रेमी।

चेन्नई के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 17 से 20 फरवरी तक हुई 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2025 में विद्या नगर निवासी डॉ. रमेश श्योराण की पुत्री मुस्कान श्योराण ने गोला फेंक स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतकर न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है, बल्कि खेल नगरी भिवानी का नाम एक बार फिर से राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। बेटी मुस्कान की उपलब्धि से भिवानी के लोगों में खुशी का माहौल है। कोच मदन ने बताया कि 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मुस्कान श्योराण ने 4.92 मीटर गोला फेंककर स्वर्ण पदक हासिल किया है। कोच मदन ने बताया कि स्वर्ण पदक विजेता मुस्कान प्रथम स्थान पर रही। अपनी प्रतिद्वंदी को 1.2 मीटर के अंतर से मात दी, जो गोला फेंक खेल के क्षेत्र में बड़ी जीत मानी जाती है, क्योंकि इस प्रकार के खेल की जीत व हार एक-एक प्वाईंट पर निर्भर करती है। मुस्कान होनहार खिलाड़ी है, जिन्होंने पहले भी राष्ट्रीय पैरा चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल कर भिवानी का मान बढ़ाया तथा लगातार दूसरे वर्ष भी राष्ट्रीय पैरा चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। वहीं बेटी मुस्कान की उपलब्धि पर पिता रमेश श्योराण ने बताया कि मूलरूप से गांव पहाड़ी के निवासी है, लेकिन बेटी की खेल प्रतिभा को भांपते हुए भिवानी में रहने लगे, ताकि मुस्कान को अच्छी ट्रेनिंग दी जा सकें। गांव पहाड़ी में न तो अच्छे खेल स्टेडियम है तथा न ही अच्छे प्रशिक्षक। भिवानी खेल के क्षेत्र में अग्रणीय है तथा उन्होंने भिवानी में रहने की सोची, जिसका परिणाम आज सभी के सामने है। बेटी मुस्कान विद्या नगर स्थित सैनिक हाई स्कूल में 10वीं कक्षा की छात्रा है। मुस्कान की उपलब्धि पर डॉ. विजय सनसनवाल, बलवान डीपीई, राजेश बड़ेसरा, पवन भोलू, दीपक, संजय श्योराण, अधिवक्ता संजीव श्योराण व अधिवक्ता नवीन आदि ने खुशी जताई।

श्रीमती उत्तमीबाई विद्यालय की वर्षा ने मैराथन में जीता स्वर्ण पदक

भिवानी। श्रीमती उत्तमीबाई आर्य कन्या वमा विद्यालय की 12वीं कक्षा की छात्रा वर्षा ने एमके अस्पताल द्वारा आयोजित मैराथन में सैपाटे दंड बैठक में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक व ट्रॉफी जीतकर विद्यालय को गौरवान्वित किया। मैराथन में जिले के दो हजार प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता 16 फरवरी को हुई थी। पांच किलोमीटर मैराथन को 22 मिनट 14 सेकंड में पूरी कर कांस्य पदक जीता। वहीं फिट जूनियर फीमेल में सैपाटे दंड बैठक को 10 सेकंड में 14 पुशअप कर स्वर्ण पदक, ट्रॉफी जीती एवं 7500 रुपये नकद पुरस्कार प्राप्त किया। विद्यालय पहुंचने पर विद्यालय प्रशासन ने छात्रा वर्षा का फूलमाला पहनाकर व मिठाई खिलाकर सम्मान किया। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष सतप्रकाश गिरधर, सचिव सीपी चावला, आशा अवस्थी, सूक्षा वधवा व प्राचार्या अनीता बासोतिया ने छात्रा वर्षा को उपलब्धि के लिए बधाई दी। प्राचार्या बासोतिया ने वर्षा की उपलब्धि पर कहा कि ये न केवल विद्यालय बल्कि भिवानी जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है।

बवानीखेड़ा। गांव सज्जनपुर की विजेता खिलाड़ी। *फोटो: हरिभूमि*

सज्जनपुर की बेटी ने जीता सिल्वर मेडल

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

- तमिलनाडु के चेन्नई शहर में आयोजित 23 वें राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप
- श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए कोच और सामाजिक संस्था बधाई दी

तमिलनाडु राज के चेन्नई शहर में आयोजित 23 वें राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप में खंड बवानी खेड़ा के गांव सज्जनपुर की बेटी प्रीति पुत्री जयवीर कुड़ी ने कैटेगरी नंबर एफ 41 के अंतर्गत शॉट पुट थ्रो और डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता में अपने प्रतिद्वंदी खिलाड़ी लड़कियों को पछाड़ते हुए दो सिल्वर मैडल अपने नाम किए, उपरोक्त जानकारी देते हुए व्यायामशाला इंचार्ज आयुष योग सहायक गजानंद कौशिक ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर पैरा एथलीट खेलों में यह एरिया में सबसे पहले दो रजत पदक लेने वाली प्रीति पहली एथलीट बनी है, सिल्वर पदक मिलने की सूचना मिलते ही सभी गांव वासियों में खुशी की लहर दौड़ गई, प्रीति के कोच अरुण राणा और आयुष योग सहायक गजानंद कौशिक, कृष्ण कुमार मास्टर, गंगाधर सिंह सॉलथ,कर्मबीर सिंह, हनुमान फौजी, पितराम कुड़ी पूर्व सरपंच महेश सोलथ, गांव के वर्तमान सरपंच प्रतिनिधि नरेश चाहर प्रदीप चाहर ने सभी गांव वासियों को शुभकामनाएं दीं और भविष्य में भी इस प्रकार के श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए कोच और सामाजिक संस्था अपना भाईचारा क्लब ने उपस्थित खिलाड़ियों को प्रेरित किया।

दिल्ली में रेखा के सीएम बनने से महिला सशक्तिकरण के नारे को मिलेगा बलः चंदा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। रेखा गुप्ता के सीएम बनाए जाने पर आपस में मुंह मीठा करवाते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर ना केवल दिल्ली, बल्कि हरियाणा में खुशी का माहौल है तथा विभिन्न स्थानों पर लोग लड्डू बांटकर खुशी मना रहे है। इसी कड़ी में भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष चंदा गुप्ता की अध्यक्षता वीरवार को स्थानीय जिला भाजपा कार्यालय में लड्डू बांटकर रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर खुशी मनाई। इस मौके पर भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष चंदा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार महिला उत्थान एवं हित में अनेक योजनाएं चलाए हुए है। उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य महिलाओं को चूल्हे-चौके की दौड़ से बाहर निकालते हुए राजनीति के क्षेत्र में आगे बढ़ाना है। जिसका उद्देश्य भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाकर एक बार फिर से दिया है। चंदा गुप्ता ने कहा कि रेखा गुप्ता के सीएम बनने से भाजपा के महिला सशक्तिकरण के नारे को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि रेखा गुप्ता के नेतृत्व में अब दिल्ली की भाजपा सरकार भी सही मायनों में दिल्ली के विकास कार्यो को गति देने का काम करेंगी तथा विकास के मामले में देश की राजधानी को नई ऊंचाईयों पर ले जाने का काम करेंगी। इस मौके पर गीता सिंह, मधू तंवर, शालू अरोड़ा, सुशीला, अनिता शर्मा, सरोज बोस, रूबी आदि मौजूद रहीं।

समस्याओं को गंभीरता से लें अधिकारी

- समाधान शिविर में एसडीएम आशीष सांगवान ने सुनीं समस्या

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। समाधान शिविर में समस्या सुनते एसडीएम आशीष सांगवान।

कोई भी अधिकारी समाधान शिविर की शिकायत को लेकर देरी न करें। समाधान शिविर में आने वाली प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उस पर समय सीमा में कार्रवाई करें, अगर कोई योजना से संबंधित मामला है या न्यायालय में कोई केस लंबित है, तो उसकी रिपोर्ट भी तुरंत बनाकर भेजें।

एसडीएम आशीष सांगवान ने समाधान शिविर में लोगों की शिकायत सुनने के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों को ये निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों पर प्रदेश सरकार की ओर से लोगों की शिकायतों के शीघ्रता से समाधान के लिए नई व्यवस्था की गई है और इसको लेकर सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि गंभीरता के साथ इन शिकायतों का समाधान किया जाए। ऐसे में कोई भी अधिकारी उनके पास भेजी जाने वाली शिकायत को निर्धारित समय से ज्यादा अपने पास न रखें और साथ ही सुनिश्चित करें कि शीघ्रता से शिकायतों का समाधान हो। अगर कोई शिकायत ऐसी है जोकि योजना से संबंधित है या फिर उसको लेकर न्यायालय में केस चल रहा है तो उसकी एक्शन टेकन रिपोर्ट भी तुरंत उपलब्ध करवाई जाए। दादरी में जिला और उपमंडल बाढड़ा में लगातार समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

दो दिवसीय कुकिंग विदाउट फायर कार्यशाला का आयोजन

भिवानी। गृह विज्ञान विभाग एवं हॉबी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 20 एवं 21 फरवरी को दो दिवसीय कुकिंग विदाउट फायर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को बिना आग के स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन बनाने की कला सिखाना था। फायरलेस कुकिंग के अंतर्गत मैरीनेटिंग, क्योरिंग, अचार बनाना, फरमेंटिंग आदि जैसी तकनीकों का उपयोग कर स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए जा सकते हैं। यह कार्यशाला छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा देने और नई पाक-कला विधियों से परिचित कराने के लिए आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला में 200 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए सभी मिलकर करें सामूहिक प्रयासः उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। आयोजित बैठक में उपस्थित एसपी ,उपायुक्त व अन्य अधिकारी।

उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि युवाओं को नशे से बचाने के लिए प्रशासन और पुलिस संयुक्त रूप से गुप्त कार्यवाही करें। साथ ही आमजन को नशा विरोधी गतिविधियों को आमजन तक पहुंचाने में सभी सक्रिय भागीदारी निभाएं। उपायुक्त महावीर कौशिक व पुलिस अधीक्षक नीतिश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से लघु सचिवालय स्थित वीसी रूम में वीसी के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को साप्ताहिक समन्वय समीक्षा बैठक में जरूरी निदेश दे रहे थे। कानून और व्यवस्था को मजबूत करने, नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर नजर रखे। उन्होंने कहा कि अधिकारी जिला में नशा करने वालों और नशीले पदार्थ बेचने वालों पर गम्भीरता से निगरानी करना सुनिश्चित करें। नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के बारे में जागरूकता फैलाने और जनता को संवेदनशील बनाने में शिक्षा विभाग और ड्रग कंट्रोल सेल की महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए। जिससे इस पर प्रहार किया जा सके।

मार्केट न्यूज

कदम हॉस्पिटल में डॉ ग्रेवाल द्वारा विश्व की अत्याधुनिक तकनीक से हृदय के जटिल बीमारियों का इलाज

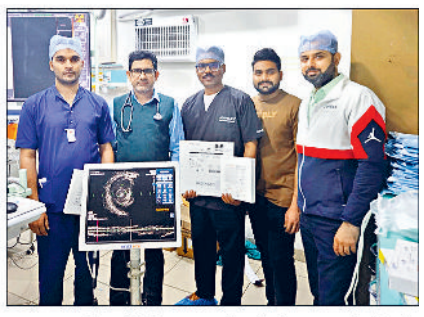

भिवानी में कदम हॉस्पिटल के प्रसिद्ध एवं सीनियर कॉर्डियोलॉजिस्ट डॉ तेजवीर ग्रेवाल द्वारा हृदय के जटिल ऑपरेशन को विश्व की लेटेस्ट तकनीक जैसे कि हृदय की बारीक नसों के अंदर का अल्ट्रासाउंड(IVUS) तथा हृदय की नसों में जमा कठोर कैल्शियम को तोड़ने की विश्व की लेटेस्ट तकनीक (IVL) जैसी लेटेस्ट एवं कारगर तकनीक से हृदय के जटिल ऑपरेशन किए जाते हैं जिन्हे देश ही नहीं विदेशों में भी हृदय विशेषज्ञों द्वारा सराहा जाता हैं। बीते सप्ताह हृदय के दो मरीजों की जटिल बीमारियों का इलाज विश्व की अत्याधुनिक तकनीकों से बेहद अच्छे नतीजे के साथ कदम हॉस्पिटल में किया गया। इसके अलावा हृदय के अन्य सभी ऑपरेशन जो पहले दिल्ली गुड़गांव के बड़े हॉस्पिटल में होते थे वो सभी ऑपरेशन डॉ ग्रेवाल द्वारा कदम हॉस्पिटल में किफायती दर तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण में किए जाते हैं।

पार्षदों की मांग के बाद नगरपरिषद का बंदर पकड़ो अभियान

बंदर मुक्त होगा भिवानी शहर, 20 पकड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। शहर के वार्ड संख्या 17 से पकड़े गए पिंजरो में बंद वानर। *फोटो: हरिभूमि*

अब शहर के लोगों को जल्द ही बंदरों से राहत मिलने वाली है। नगरपरिषद के पार्षदों की गुजारिश पर नगरपरिषद ने बंदर पकड़ने का अभियान शुरू करवा दिया। अब जल्द ही शहर के अनेक हिस्सों में अभियान चलाकर बंदरों को पकड़ा जाएगा। इसी क्रम में शुक्रवार को नगरपरिषद ने वार्ड संख्या 17 में अभियान चलाकर बंदरों को पकड़ा। बंदरों के पकड़े जाने के बाद उक्त इलाके के लोगों ने राहत की सांस ली। सुबह सवेरे वार्ड संख्या 17 के सभी इलाकों में बंदर पकड़ने का अभियान चलाया। इस मौके पर नगरपरिषद पार्षद सुभाष तंवर व संदीप यादव मौके पर पहुंचे और टीम द्वारा पकड़े गए बंदरों को देखा। साथ ही क्षेत्र को बंदर मुक्त बनाए जाने की गुजारिश की। शुक्रवार को करीब 20 बंदरों को पकड़ा गया।

पार्षदों ने की थी बंदरों से परेशानी की शिकायत

पार्षद सुभाष तंवर व संदीप यादव ने बताया कि वैसे तो पूरा शहर बंदरों के आंतक से जबरदस्त परेशान है। हर कोई इस समस्या से छुटकारा पाना चाहता है,लेकिन पार्षदों ने नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह से शिकायत की थी। जिसके बाद शहर में बंदर पकड़ने का टेंडर हुआ और उसी क्रम में बंदर पकड़ने के अभियान शुरू किया गया। आज इसी क्रम में ठेकेदार ने वार्ड संख्या 17 में बंदर पकड़ने का अभियान चलाया है। इसी तरह पूरे शहर में इस तरह का अभियान चलाया जाएगा। ताकि लोगों में बंदरों का भय को कम किया जा सके।

बंदरों के आंतक से मिलेगा छुटकारा

नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि शहर के अनेक इलाकों में बंदरों का जबरदस्त आंतक था, राह चलते लोगों को काटने आरंभ कर दिया। इस दौरान नगरपरिषद के पार्षदों ने भी बंदरों के आंतक से परेशान होने की शिकायत की थी। उसके बाद अब बंदर पकड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। ताकि शहर में बंदरों के काटे जाने की घटनाओं पर विराम लगाया जा सके।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने लगाया शिविर

- प्रशासनिक अधिकारियों ने स्टॉल लगाकर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। आयोजित कार्यक्रम में बच्चों से बातचीत करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

कस्बे के गांव कुंगड़ में वीर शहीद धर्मबीर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की तरफ से शिविर आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न विभाग की तरफ से स्टाल लगा जनसुनवाई की गई। इस दौरान साइबर अपराध रोकथाम यातायात सुरक्षा और स्वास्थ्य सम्बंधित विभाग ने नागरिको को सावधानी सुरक्षा को लेकर आवश्यक जानकारियां बताई। साइबर अपराध जिला भिवानी इंचार्ज विष्णु ने बताया कि आज कुंगड़ में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की तरफ से शिविर लगाया गया जिसमें विभिन्न विभाग अधिकारिओ ने नागरिको की समस्या की सुनवाई की गई और उनकी समस्याओ सम्बंधित जानकारियां बताई गई। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को लेकर उन्होंने बताया कि साइबर अपराध बचाव सुरक्षा में स्वयं सतर्क रहें और किसी अज्ञात व्यक्ति से अपने जरूरी जानकारियां साझा न करे। और विभाग भी समय पर जागरूकता कर आमजन को सुरक्षित रहने की अपील कर रहा है। और साइबर क्राइम पुलिस विभाग के प्रयास है।

खबर संक्षेप

बीके विवि में 22 और 23 को स्वास्थ्य शिविर लगेगा

तोशाम। प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शाखा तोशाम द्वारा महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य शिविर व सर्वधर्म सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। शाखा प्रभारी बी के मंजू ने बताया कि 22 व 23 फरवरी को स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा जिसका समय सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा तो शाम को 5 बजे से 7 बजे तक रहेगा। 26 फरवरी को शाम 4 बजे से 6 बजे तक स्थानीय पंजाबी धर्मशाला में सर्वधर्म सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

साध्वी डॉ. राधा गिरी को महामंडलेश्वर बनाया

बवानीखेड़ा। गीता मनीषी डॉ. राधा गिरी को जूना अखाड़े का महामंडलेश्वर बनाया गया है। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक व अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरी व श्री महंत प्रेम गिरी के मार्गनिर्देशन में हुए समारोह में उन्हें महामंडलेश्वर बनाया गया। जूना अखाड़ा पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने उनका अभिषेक कर विधिवत रूप से महामंडलेश्वर पट्टा अभिषेक किया गया। रामेहर शास्त्री बवानी खेड़ा ने बताया डॉ. राधा गिरी ने भौतिक जगत की संपूर्ण शिक्षा ग्रहण की हुई है ।

सीबीएलयू के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विवि. के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा शैक्षणिक भ्रमण का अयोजन कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी के कुशल नेतृत्व एवं कुलसचिव डॉ. भावना शर्मा के कुशल मार्गदर्शन मे किया गया । बायोटेक विभाग के विद्यार्थियों ने इंडो इजरायल सेंटर ऑफ एक्सलेंस फ़ॉर सेमि - अरिड हॉर्टिकल्चर, गिगनऊ का दौरा किया। इस सेंटर पर होने वाली जैविक सब्जियों और फलों की खेती के बारे मे डॉ आत्म प्रकाश , डॉ सचिन एवं डॉ अरोरा ने बारीकी से जानकारी दी। इन विशेषज्ञों ने खासतौर पर हाईटेक नर्सरी के बारे में जानकारी दी।

युवाओं को इतिहास से रूबरू करवाना जरूरी

भिवानी। आज की युवा पीढ़ी फिल्मी हीरों को अपना आईयल मानती है तथा उन्ही के नक्शे कदम पर चलते हुए पाश्चात्य संस्कृति की ओर बढ़ते जा रहे है, जिसके चलते युवा पीढ़ी देश के गौरवमयी इतिहास एवं संस्कृति से दूर होते जा रहे है। लेकिन इसके विपरीत सिनेमा में बहुत सी फिल्में ऐसी भी बनती है, जो कि नागरिकों को देश के असल हीरो व गौरवमयी संस्कृति से रूबरू करवाती है। ऐसी फिल्मों में से एक है, फिल्म छावा। जो कि हालही में रिलीज हुई है तथा यह मात्र एक फिल्म नहीं है, बल्कि चलचित्र के माध्यम से देश की संस्कृति, सभ्यता एवं इतिहास से रूबरू करवाती है।

विधायक ने कस्बे में नवनिर्माणाधिन जलघर में टैंक का निरीक्षण किया

निर्माण सामग्री की गुणवत्ता में कोताही की तो ठेकेदार की खैर नहीं : विधायक

हांसी- भिवानी मुख्य मार्ग पर जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग बना रहा है जलघर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

शुक्रवार को विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने बवानीखेड़ा कस्बे में बन रहे नए जलघर के टैंकों का निरीक्षण किया। विधायक वाल्मीकि ने निर्माण सामग्री जांची। साथ ही विधायक ने टैंक के निर्माण में प्रयोग की जाने वाली निर्माण सामग्री के बारे में पूरी जानकारी ली।

आधे घंटे किया निरीक्षण

इस दौरान उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी तरह की कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। अगर ठेकेदार ने लापरवाही बरती तो उनके खिलाफ कार्रवाई ही नहीं ,बल्कि ब्लैक लिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू करवाई जाएंगी। विधायक कपूर वाल्मीकि शुक्रवार को हांसी- भिवानी मुख्य मार्ग पर जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा बनाए जा रहे जल घर में पहुंचे। विधायक ने जाते ही वहां पर निर्माण सामग्री के बारे में जानकारी ली। इस दौरान खुद विधायक ने निर्माण सामग्री की जांच की। वहां पर कार्य कर रहे कारिंदों से भी निर्माण सामग्री में प्रयोग किए जाने वाले सामान की भी जांच की। जलघरों की बन रही दिवारों के निर्माण में प्रयोग की जा रही सामग्री की भी जांच की गई। विधायक कपूर वाल्मीकि आधे घंटे तक जलघर का निरीक्षण करते रहे। इस अवसर पर मौके पर मौजूद अधिकारियों को अच्छी सामग्री इस्तेमाल करने का आदेश दिया।

बवानीखेड़ा। सही निर्माण सामग्री का प्रयोग करने के निर्देश देते हुए।

बवानीखेड़ा। जलघर का निरीक्षण करते विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि।

बढ़ जाएगी पानी स्टोरेज की क्षमता

बवानीखेड़ा जलघर में नए टैंक बनने के बाद पानी स्टोरेज की क्षमता में इजाफा होगा। अब करीब 1.925 एमएलडी है,लेकिन नए टैंक बनने के बाद 2.57 एमएलडी हो जाएगी। पब्लिक हेल्थ के एसडीओ जयसिंह ने बताया कि जलघरों में सुंदर नहर से 600 एमएम की पाइप लाइन डाली जा रही है। नहर पर मोटर पम्प स्थापित किए जाएंगे। ताकि मोटरों के जरिए पाइपों से पानी जलघरों तक पहुंचाया जाएगा। उसके बाद कस्बे में पीने के पानी की कोई दिक्कत नहीं होगी। क्योंकि नहरों में पानी पहुंचने के बाद मोटरों से कस्बे के जलघर के सभी टैंकों को भरा जा सकेगा।

नहीं रहेगी पानी की कमी

विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने बताया कि आज उन्होंने निर्माणाधीन जलघर के टैंकों का निरीक्षण किया। निर्माण सामग्री की जांच की। साथ ही ठेकेदार व कारिंदों को निर्माण सामग्री में किसी तरह की कोई कोताही न बरते जाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि अगर किसी ने इस मामले में कोताही या ढिलाई बरती तो उनके खिलाफ कार्रवाई करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जल घर के लिए करोड़ों रुपए की लागत से सुंदर ब्रांच नहर से नई पाइपलाइन बिछाई जा रही है ताकि टैंकों में पानी की कमी ना रहे। गर्मी का मौसम शुरू होने से पहले पाइप लाइन डलवाने का कार्य मुक्कमल करवाया जाएगा।

डिबेट में राजकीय उच्च विद्यालय के साकेत प्रथम

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा के वीर शहीद कपिल देव राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में खंड स्तरीय रीडिंग प्रोमोशन मंथ कार्यक्रम में मंच संचालन करते हुए प्रवक्ता नवीन कुमार व विजेता विद्यार्थियों के साथ विद्यार्थीगण।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा के वीर शहीद कपिल देव राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में खंड स्तरीय रीडिंग प्रोमोशन मंथ कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें प्रथम व द्वितीय पोजीशन हालिस करने वाले 6 से 8वीं व 9 से 12वीं कक्षा के बच्चों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में हिंदी डिबेट, वर्तनी, स्टोरी राइटिंग, स्पेल-बी इंग्लिंश आदि शामिल थे। कार्यक्रम विद्यालय उप-प्राचार्य सत्यवान के नेतृत्व में आयोजित हुआ। पंजीकरण में कलस्टर के सभी एबीआरसी व व्यवस्था प्रबंधक में बीआरपी प्रदीप कुमार ने अपनी अहम भूमिका अदा की। कार्यक्रम में बतौर नॉडल अधिकारी विजय जांगड़ा ने शिरकत की। कार्यक्रम कार्यकारी खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश जांगड़ा के आह्वान पर आयोजित करवाया गया। कार्यक्रम में विजेताओं को नॉडल अधिकारी विजय जांगड़ा, उपप्राचार्य सत्यवान यादव ने सम्मानित किया और कहा कि विद्यार्थियों को ऐसे ही प्रतियोगिताओं में हिस्सा जरूर लेना चाहिए।

इन विद्यालय के छात्रों ने मारी बाजी

कार्यक्रम में डिबेट में राजकीय उच्च विद्यालय के साकेत प्रथम, वर्तनी हिंदी में बलियाली के राकवमावि की प्रिया, विनोद, संख्या प्रथम, स्टोरी राइटिंग हिंदी में अलखपुरा के रावमावि की साक्षी, बलियाली के रकवमावि की मिनाक्षी, लोहारी जाटू के राकवमावि की अंजली प्रथम, स्पेल बी इंग्लिश में रामॉसंवमावि की मुस्कान, बलियाली के राकवमावि की मिनाक्षी, लोहारी जाटू के राकवमावि की मंजू प्रथम, डिबेट में सिवाड़ा के राउवि की रितू, बलियाली के राकवमावि की उर्वशी व मुस्कान प्रथम, इंग्लिश टेंस में लोहारी जाटू के राकवमावि की वर्ष, रामॉसंवमावि का प्रिंस, बलियाली के राकवमावि की मीना प्रथम, स्टोरी राइटिंग हिंदी में भुरटाना के राउवि की रेहा, बवानी खेड़ा के पीएमश्री राकवमावि की काजल, बवानी खेउा के रामॉसंवमावि का पंकज, बलियाली के रावमावि का गौरव प्रथम, पोइट्री राइटिंग में बवानी खेड़ा के पीएमश्री राकवमावि की नेहा ने बाजी मारी।

बच्चों व युवाओं को संस्कार देने वाली महिला नशे की लत में पड़ रही

भिवानी। नशा मुक्त अभियान के दौरान महिलाओं को संबोधित करती बीके बहनें। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। सकारात्मक सोच, भगवान पर आस्था, विश्वास तथा मेडिटेशन राजयोग के नियमित अभ्यास से जीवन नशामुक्त व सुखमय बन सकता है, ये उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की झोझूकलां-कादमा के तत्वावधान में महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मेरा गांव नशामुक्त गांव अभियान द्वारा झोझूखुर्द गांव के पंचायत घर में लोगों को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ईश्वर हमें 1440 मिनट प्रतिदिन देता है, उसमें से 10मिनट परमात्मा को देने से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। ब्रह्माकुमारी बहन ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज महिलाएं भी नशे रूपी दानव के वश में हैं, घर को मंदिर बनाने वाली बच्चों व युवाओं को संस्कार देने वाली महिला नशे की लत में है तो हमारा भविष्य अंधकार में है। घर परिवार और समाज टूट रहे हैं। ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने कहा कि महिलाएं गृहस्थ जीवन को आध्यात्मिक योग की शक्ति से सरल, सहज व सुंदर बन सकती हैं।

बीईओ जल्द करें छात्र एवं अध्यापकों की समस्याओं का समाधानः फौगाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

डेमोक्रेटिक स्कूल टीचर्स एसोसिएशन के राज्य संगठन सचिव सुंदरपाल फोगाट ने शुक्रवार को बाढ़डा खंड शिक्षा अधिकारी जलकरण से मुलाकात कर अध्यापकों की मांग एवं मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सर्वप्रथम शिक्षा अधिकारी एवं कार्यालय कर्मचारियों के संगठन का वार्षिक कैलेंडर भेंट किया। तदुपरांत बीईओ से बातचीत कर राज्य संगठन सचिव सुंदरपाल ने कहा कि अध्यापकों के एसीपी मामले, मेडिकल रिम्बर्समेंट, अपार एवं दूसरे मामलों का निपटारा वरीयता के साथ जल्द से जल्द करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि जिन कार्यों का निपटारा स्थानीय स्तर पर किया जाना है, उन्हें खंड शिक्षा अधिकारी जलकरण ने सप्ताह के अंदर संपूर्ण कर वापस विद्यालय में भेजने की अनुशंसा की। बीईओ ने संगठन पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि तीन दिन के अंदर संबंधित मामलों को संबंधित अधिकारियों के पास भेज दिया जाएगा, यदि कोई फील्ड की समस्या है तो उसे अध्यापक साथी तुरंत संज्ञान में लाए, ताकि खंड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से समस्याओं के निदान करवाया जा सके। फोगाट ने अध्यापकों से भी आह्वान किया कि नए सत्र 2025-26 में विद्यालय में छात्र संख्या बढ़ाने का प्रयास करें।

चरखी दादरी। संगठन का वार्षिक कैलेंडर भेंट करते पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

शिविर में 60 युवाओं ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहल

बीआरसीएम शिक्षण समिति, बहल के उच्च शिक्षण संस्थानों - बीआरसीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जीडीसी मेमोरियल कॉलेज और बीआरसीएम लॉ कॉलेज की एनएसएस इकाइयों द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन अलख आश्रम बहल के महंत विकास गिरी जी द्वारा किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता बीआरसीएम शिक्षण समिति के निदेशक डॉ. एस. के. सिन्हा ने की। इस अवसर पर बहल के पूर्व सरपंच पंडित रवि महमिया विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

शिविर में 60 यूनिट रक्तदान किया गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रक्तदातों को अतिथियों द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप बैज लगाए गए एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर निदेशक डॉ. एस. के. सिन्हा ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान एक महान कार्य है, जो न केवल जरूरतमंदों को जीवनदान देता है, बल्कि रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए इस प्रकार के शिविर समय-समय पर आयोजित किए जाने चाहिए। महंत विकास गिरी ने इस अवसर पर अपने विचार रखते हुए कहा कि रक्तदान करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। रक्तदान शिविर में बहल के पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल, मार्किट कमेटी के पूर्व चेयरमैन सुशील केडिया, बीआरसीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुज शर्मा, लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील शुक्ला, बीआरसीएम ज्ञानकुंज स्कूल के प्राचार्य राजेश झाझड़िया, उप प्राचार्य सरस्वती दीक्षित, बीआरसीएम शिशु कुंज के प्राचार्य संदीप टंडन, रजिस्ट्रार पवन पंघाल आदि ने रक्तदान किया।

बहल। आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

मास्टर साधुराम की मौत मामले में आया नया मोड़

तोशाम। संडवा निवासी मास्टर साधुराम की मौत को लेकर क़रीबन एक माह बाद नया मोड़ आ गया है। साधुराम के भाई ने उनकी हत्या करने की आंशका जताई है। जिसके बाद उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। 18 जनवरी को संडवा निवासी मास्टर साधुराम की मौत हो गई थी। पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने इत्तफाकिया कार्रवाई की थी।

मातृभाषा का प्रचार प्रसार करें: कुलपति

- चौधरी बंसीलाल विवि में कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी की अगुवाई में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व बच्चे।

बहुभाषी होना चाहिए लेकिन अपनी मातृभाषा को कदापि भूलें नहीं । अपनी मातृभाषा के प्रचार प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दें। यह विचार चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ भावना शर्मा ने विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी के कुशल नेतृत्व में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित प्रातःकालीन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि हम अपनी मातृभाषा का सम्मान करें एवं पूर्णतया गर्व की अनुभूति करें। हमारी मातृभाषा हमारी संस्कृति की धारा है। मातृभाषा हिंदी हमारे राष्ट्र की पहचान है।

आज की इस कार्यशाला से कर्मचारियों को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। उन्होंने हिंदी विभाग द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सेवानिवृत प्रो. संजीव कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि देश की आजादी में मातृभाषा का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी मातृभाषा हिंदी में हमें अपनत्व की अनुभूति होती है। बतौर विशिष्ट वक्ता पूर्व प्राचार्य डॉ बुद्धदेव आर्य ने मातृभाषा हिंदी की विशेषता एवं इसके महत्व पर विस्तृत विचार रखे। हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ धर्मवीर द्वारा लिखित विश्वविद्यालय की ऐच्छिक विषय की पाठय पुस्तक चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास पुस्तक का विमोचन कुलसचिव डॉ भावना शर्मा व अन्य विशिष्ट अतिथियों के करकमलों से किया गया। इस कार्यक्रम में डीन प्रो विपिन कुमार जैन,विभागाध्यक्ष डॉ लखा सिंह की मौजूदगी में सांयकालीन सत्र में बतौर वक्ता दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम हिसार के वरिष्ठ लेखा अधिकारी प्रदीप कुमार ने शिरकत की ।

मोटे अनाज के उपयोग को बढ़ावा देने पर किया मंथन

- कृषि विज्ञान केंद्र ने मूल्यवर्धित मिलेट उत्पादों पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

कृषि विज्ञान केंद्र ने 17 से 21 फरवरी तक बेकिंग मूल्यवर्धित उत्पादों पर केंद्रित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया, जिसमें बाजरा पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य बेकिंग में मिलेट (मोटे अनाज) के उपयोग को बढ़ावा देना और पौष्टिक और विपणन योग्य उत्पाद तैयार करने में प्रतिभागियों के कौशल को बढ़ाना है।

डॉ. गुलाब सिंह ने प्रशिक्षण सत्रों के सुचारू निष्पादन को सुनिश्चित कर पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्य किया। प्रतिभागियों को बताया कि मिलेट भोजन में कई उल्लेखनीय लाभ प्रदान करता है, जिससे ये किसी भी आहार के लिए पौष्टिक और बहुमुखी अतिरिक्त बन जाता है। उन्होंने कहा कि वे आहार फाइबर, आवश्यक खनिज (जैसे मैग्नीशियम, लोहा और कैल्शियम) और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर हैं, जो हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं और पाचन में सुधार करते हैं। प्रतिभागियों को मिलेट को शामिल करने वाली नवीन बेकिंग तकनीकों और व्यंजनों से परिचित करवाया, जो मिलेट को एक टिकाऊ और स्वस्थ भोजन विकल्प के रूप में बढ़ावा देने की सरकार की पहल के अनुरूप है। प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक भागीदारी हुई, जो महत्वाकांक्षी उद्यमियों और बेकिंग उत्साही लोगों के बीच मूल्यवर्धित बाजरा उत्पादों में बढ़ती रुचि को दर्शाता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

पीएमश्री राजकीय कन्या वमा विद्यालय में खंड स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन

कहानी लेखन में धनाना कन्या स्कूल की नितिका रही अव्वल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद पंचकूला के निर्देशानुसार शुक्रवार को पीएमश्री राजकीय कन्या वमा विद्यालय में खंड स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसमें कविता, वर्तनी, वाद-विवाद, स्पेल-बी, कविता लेखन व कहानी लेखन आदि शामिल थी। इस अवसर पर मुख्यतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी शिवकुमार तंवर ने शिरकत की। कार्यक्रम संयोजक प्रवक्ता प्रवेश गौतम व अनिल हलवासिया रहे।

भिवानी। शिक्षकों के साथ विजेता विद्यार्थी तथा प्रतियोगिताओं को भाग लेती छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

प्रतियोगिता में भिवानी खंड के राजकीय स्कूलों के कक्षा छठी से 12वीं के छात्रों ने भाग लिया। इस पर खंड शिक्षा अधिकारी शिवकुमार तंवर ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से छात्रों का बौद्धिक विकास होता है। छात्रों की हिन्दी व अंग्रेजी भाषा पर पकड़ बनती है, जिसका उन्हें भविष्य में लाभ होता है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. मीनाक्षी शर्मा, आशा, वीणा रहेजा, नीरज शर्मा, हेमंत शर्मा, भारत यादव, बीआरपी अमित, सोनिया, राकेश, प्रीति, राजकुमार, एबीआरसी स्नेह, रेनू, अनीता, नरेंद्र व लक्ष्मण गौड़ का विशेष सहयोग रहा। अनिल हलवासिया व प्रवेश गौतम ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहे प्रतिभागियों को जिला स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। परिणामों की जानकारी देते हुए शिक्षक लक्ष्मण गौड़ ने बताया कि कविता प्रतियोगिता में राजकीय हाई स्कूल तालू के कक्षा दसवीं के अंशुल व पीएमश्री राजकीय कन्या वमा विद्यालय की 11वीं कक्षा की अन्नु प्रथम स्थान पर रहे। वहीं वाद विवाद प्रतियोगिता में राजकीय कन्या हाई स्कूल बडेसरा की कक्षा दसवीं की यशिका, राजकीय वमा विद्यालय कोंट के 11वीं कक्षा के छात्र शिवम, पीएमश्री राजकीय कन्या वमा विद्यालय की 12वीं की सानिया प्रथम स्थान पर रही। स्पेल बी में राजकीय कन्या वमा विद्यालय धनाना की कक्षा छठी की नैंसी, पीएमश्री राजकीय कन्या वमा विद्यालय भिवानी की सातवीं की नेहा, राजकीय कन्या वमा विद्यालय खरककलां की आठवीं की जयश्री ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वर्तनी लेखन में राजकीय हाई स्कूल हालुवास की सातवीं कक्षा की हर्षिता ने प्रथम, राजकीय वमा विद्यालय चांग की प्रियंका ने द्वितीय स्थान पर रही।